विद्या भारती प्रदीपिका

आश्विन से मार्गशीर्ष विक्रमी संवत् 2079, युगाब्द 5124

अक्टूबर से दिसम्बर 2022 वर्ष 43 अंक 1 मूल्यः ₹35/-

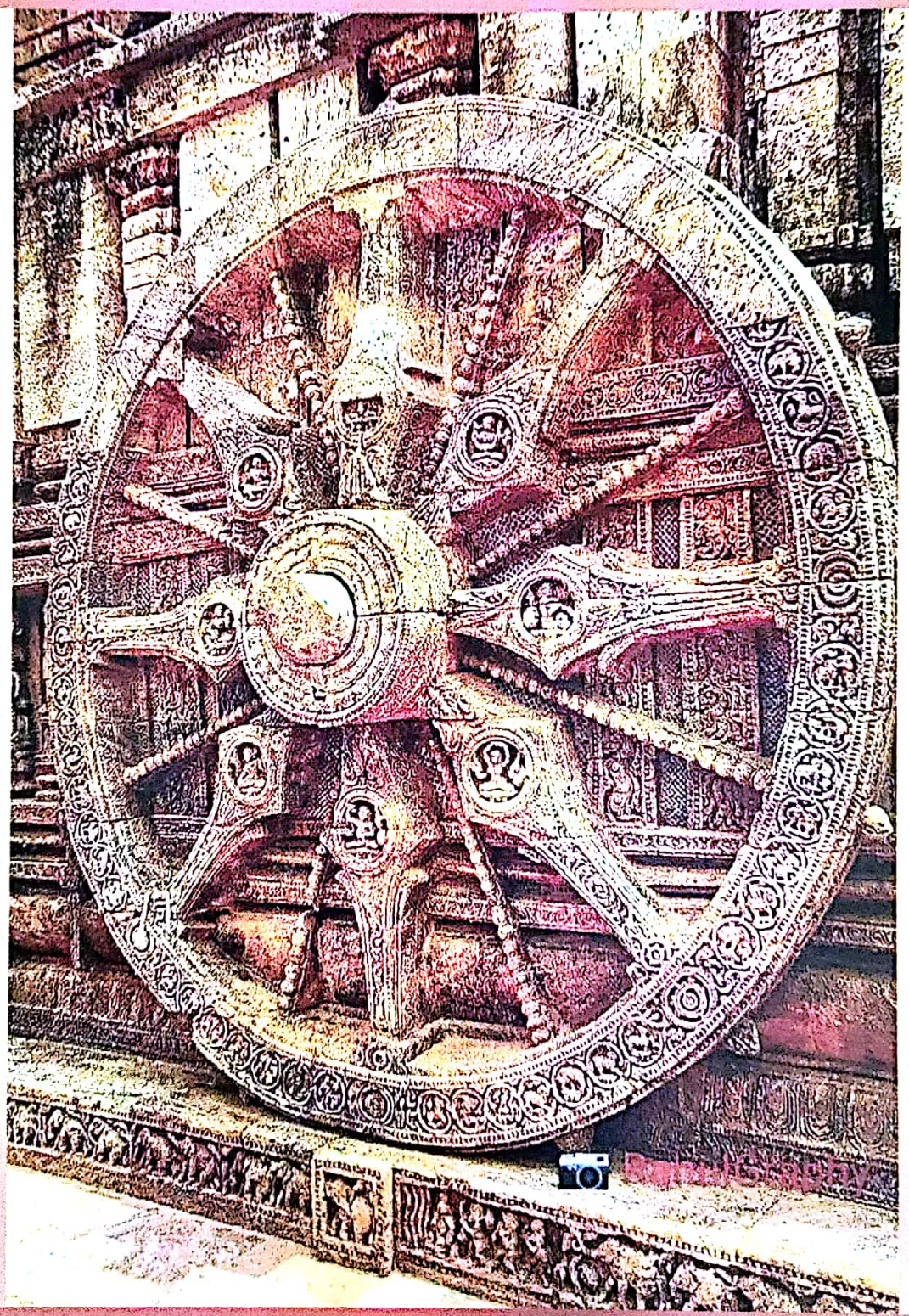

स्वाधीनता का अमृत महोत्सव, मातृ प्रेम-मातृभूमि प्रेम व भगवत् प्रेम, वल्लभाचार्य और शुद्धाद्वैत वेदांत, बचत से आत्मनिर्भरता

The sage of kanchi - his teachings, Mahanayak Lachit borphukan

Scanned with CamScanner

ISSN 2395 - 6267 कुल प्रकाशित पृष्ठ 68 RNI NO. 37111/1981

सामाजिक परिवर्तन के कारक : प्रधानाचार्य एक सुदृढ़ कार्यकर्ता

एक आदर्श नागरिक और शिक्षाविद् के रूप में हमारे प्रधानाचार्य का भी वैयक्तिक तथा सामूहिक सामाजिक उत्तरादायित्व है। हमारे विद्यालय की मूल संकल्पना समाज सेवा और परिवर्तन का केन्द्र, अपने विद्यालय की ओर से हमारा लक्ष्य दूर न हो, इसके लिए अपेक्षित गतिविधियाँ और कार्यक्रम :-

1. विद्यालय द्वारा एक गाँव को गोद लेना। वहाँ की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक परिस्थितियों का विस्तृत सर्वेक्षण कर एक दीर्घकालिक कार्ययोजना का निर्माण के लिए प्राथमिकता तय करना।
2. कार्य हेतु इसमें प्रबंधसमिति के सदस्यों, पूर्वछात्रों, अभिभावकों, आचार्य परिवार तथा विद्यार्थियों का भी सहयोग लेना।
3. विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए निकटवर्ती सेवा बस्ती या गाँव में सेवा कार्यों का आयोजन करना।
4. विद्यार्थियों का संरक्षण, वे केवल सूचनाएँ, तकनीकी, आधुनिकता और ज्ञान प्राप्ति के लिए ही विद्यालय नहीं आते, उनमें जीवन-मूल्यों तथा मानवीय गुणों का विकास करना भी हमारा उत्तरादायित्व है। अतः बाल संस्कार केन्द्र, विद्यार्थी विकास केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र, ट्यूशन सेन्टर, प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र, कौशल विकास केन्द्र, व्यवसायिक शिक्षा केन्द्र आदि संचालित किए जा सकते हैं। उनमें वर्तमान तथा अपने पूर्वछात्रों, अभिभावकों तथा समाज की सज्जन शक्ति का सहयोग लिया जा सकता है।
5. विद्यालय के संसाधन तथा अधोसंरचना का सदुपयोग समाज के लिए ग्रीष्मावकाश शिविर, योग प्रशिक्षण केन्द्र, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, समाज जागरण के कार्यक्रमों तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम आदि के संचालन के लिए अतिरिक्त समय निकालना चाहिए।
6. अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम सेवा केन्द्रों, जनजातीय गाँवों का भ्रमण आयोजित करके समाज के वंचित वर्ग के स्वास्थ्य, स्वच्छता, आर्थिक स्थितियों का प्रत्यक्ष दर्शन करने से विद्यार्थियों में दायित्व की भावना विकसित की जा सकती है।
7. समाज के विकास के लिए सरकारी तथा गैरसरकारी स्तर पर चलने वाली विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों तथा अभिभावकों में देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रधानाचार्य, आचार्य परिवार, शिक्षार्थियों, प्रबंध समिति के सदस्यों तथा अभिभावकों को बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित किया जा सकता है। जैसे स्वच्छ विद्यालय - स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ, सही मताधिकार का उपयोग करना, चिकित्सकीय जाँच शिविर आदि।

ये सब केवल फेसबुक, सोशलमीडिया के ही विषय नहीं हैं बल्कि समझदार उत्तरदायी नागरिक के रूप में इन अभियानों की सफलता में सभी का सक्रिय सहयोग व सहभागिता सुनिश्चत होना ही चाहिए।

- श्री डी. रामकृष्ण राव, अध्यक्ष, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीराम आरावकर के द्वारा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (स्वामी) के लिए जेनिसिस प्रिंटर, सी 74, ओखला इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस–1, नई दिल्ली–110020 (प्रेस) से मुद्रित एवं प्रका जी एल टी सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, नई दिल्ली–110065 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशित। **सम्पादक**–डॉ ललित बिहारी गोस्वामी

Scanned with CamScanner